ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 11-03-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-03-11 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-03-12	2022-03-13	2022-03-14	2022-03-15	2022-03-16
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	31.0	31.0	32.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	11.0	11.0	12.0	12.0	13.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	85	85	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	45	40	35	35
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	320	320	320	320
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (4 – 10 मार्च , 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहने के साथ कहीं-कहीं बाादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 25.5 से 29.6 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 9.4 से 12.5 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 88 से 97 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 28 से 55 प्रतिशत एवं हवा 1.6 से 6.5 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम-उत्तर-पश्चिम व पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 30.0 से 32.0 व 11.0 से 13.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-7.0 किमी/घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 16 से 22 मार्च के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि उधम सिंह नगर के लिए, 26 फरवरी से 4 मार्च के दौरान एनडीवीआई 0.2 से 0.55 के बीच है। यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है तथा एसपीआई मानचित्र पिछले 4 हफ्तों से अर्थात् 10 फरवरी से 9 मार्च के दौरान उधम सिंह नगर जिले में हल्की नमी की स्थिति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। किसान भाई, खेतों में सिंचाई व रसायनों का छिड़काव आदि कृषि कार्य कर सकते है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। गुल्ली डण्डा व जंगली जई आदि खरपतवारों को निकालकर नष्ट कर दें। गेहूँ में माहू का प्रकोप होने पर, थायोमेथेक्साम 25 डब्लू एस जी के 100 मिली/हैक्टर का या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल के 140 मिली/ हैक्टर का 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। 15 दिन पर दूसरा छिड़काव करें। छिड़काव सुबह या शाम उस समय करें जबकि बारिश या तेज हवा नहीं चल रही हों।
सरसों	राई की तैयार फसल की कटाई व मड़ाई करें तथा दानो को सुखकर भंडारित कर लें।
चना	चने की फसल में फली बनते समय आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। चना में झुलसा रोग के लिए मैनकोजेब 75 प्रतिशत डब्लू0पी0 का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
मसूर की दाल	मसूर में झुलसा रोग के लिए मैनकोजेब 75 प्रतिशत डब्लू0पी0 का 2.5 ग्राम प्रति लीटर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
गन्ना	फरवरी माह में बोई गई फसल में सिंचाई करें तथा 3-4 दिन बाद गुड़ाई कर खरपतवार भी निकाल लें। बसंतकालीन गन्ना की बुवाई 15 मार्च तक पूरा कर लें। गन्ने की दो पंक्तियों के बीच में अन्तः फसलों के रुप में उर्द, मूंग अथवा लोबिया की एक लाई न की बुवाई की जा सकती है। शरदकालीन गन्ने में आवश्यकतीनुसार सिंचाई करें तथा संस्तुति अनुसार यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें।
लहसुन	लहसून में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई व सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	आलू की खुदाई का काम 15 मार्च तक पूर्ण करें। देर से खुदाई करने पर आलू सड़ना शुरु हो जाता है।
टमाटर	टमाटर में फल बेधक का प्रकोप होने पर, क्लोरान्ट्रानिलिप्रोले 18.5 एस0सी0, 150मि0ली0/है0 के छिड़काव के तीन दिन बाद या इन्डोक्साकार्ज 14.5 एस0सी0, 500मि0ली0/है0 की दर से छिड़काव के पाँच दिन बाद ही फल का उपयोग करें।
प्याज	प्याज में आवश्यकतानुसार निराई-गुड़ाई व सिंचाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं के बैठने का स्थान समतल होता चाहिए ताकि उनकी उत्पादन क्षमता प्रभावित न हो तथा इस समय नवजात पशुओं के रख-रखाव पर विशेष ध्यान दें। बैठने का स्थान समतल ना होने पर पशु खड़ा रहेगा जिससे वह तनाव में आ सकता है और उत्पादन क्षमता प्रभावित होगी।